तीन वर्षों के दौरान किन-किन पार्टियों से किस-किस दर पर कच्चा माल खरीदा ;

(ख) एल-2 और एल-3 के कितने निविदाकारों को सप्लाई के क्रयादेश दिए गए जबकि एल-1 के निविदाकार को इससे वंचित रखा गया और क्या गत तीन वर्षों की निविदाओं का पूरा विवरण सभा पटल पर रखा जायेगा; और

(ग) क्या सरकार प्रबन्ध निदेशक और उसके निकट संबंधियों की सम्पत्तियों की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो से कराएगी, यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिन्ता मोहन) : (क) और (ख) इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि० कुछ कार्बनिक रसायनों, शल्य चिकित्सा उपकरणों आदि के अलावा अनेक प्रपुंज औषधों और विभिन्न प्रकार के सूत्रयोगों के निर्माण में लगा हुआ है। प्रपुंज औषधों, सूत्रयोगों, रसायनों और शल्य चिकित्सा उपकरणों, के निर्माण के लिए कंपनी को अनेक किस्म के कच्चे माल और अन्य वस्तुओं की जरूरत होती है। आई०डी०पी०एल० ने बताया है कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खरीद की जाती है। तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक कच्चे माल के संबंध में जानकारी काफी अधिक होगी और इसे एकत्र करने में पर्याप्त समय और श्रम लगेगा। अपेक्षित ब्यौरे एकत्र करने में लगने वाला समय और श्रम प्राप्त होने वाले परिणामों के अनुसार नहीं होगा।

(ग) इस प्रकार का कोई प्रस्ताव इस विभाग के विचाराधीन नहीं है।

Union Carbide's Refusal to send their Representation to Indian Courts

£1970. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to reported refusal of the Union Carbide Corporation to send representative officers to appear in Indian courts and their counsels' allegation against Government of India on misuse of aid disbursed for the Bhopal Gas Victims; and

(b) if so, the details thereof and reaction of Government of India thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI CHINTA MOHAN): (a) and (b) Union Carbide Corporation (UCC) have not informed the Government about their refusal to appear in the Court of Chief Judicial Magistrate, Bhopal. However, the Court has been taking steps to effect their appearance before it. Government have also not received any allegation from UCC about misuse of aid meant for Bhopal gas victims.

Fire in the godowns of Hindustan Vegetable Oil

1971. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) whether it is a fact that fire broke out in the godowns of Hindustan Vegetable Oils Corporation Limited, Subzi Mandi, Delhi on the 27th April, 1992;

(b) if so, the loss caused to the Corporation as a result thereof;

(c) whether any investigations had been ordered into the cause of this fire; if so, its outcome the responsibility fixed for the lapses, if any, and the preventive measures taken for future; and

(d) the quantum of oil stocks insured and the compensation amount claimed therefor from the Insurance Company?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS ANI PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI KAMALUDDIN AHMED): (a) Yes, Sir.

£Previously unstarred question 1656, transferred from the 11th May, 1992.